Case Study of Deepak (Hansi 2nd)

सहिल पुत्र रामभज काजन्म 18–10–2001 को हुआ। जन्म के समय बच्चे के बर्थ कराइ नही की, जन्म के एक साल बाद बैठना सीखा और लगभग दो साल बाद चलना सीखा, इसी समय के दौरान मॉ, पापा दादा आदि शब्द बोलने सीखे।

पॉच साल का होने के बाद अचानक एक दिन तेज बुखार हो गया उसके पापा बच्चे को डॉक्टर के पास लेकर गए डॉक्टर ने उसको इंजैक्शन दिया, इंजैक्शन के बाद अचाानक पता चला कि बच्चे की टांग में समस्या हो गई व चल नही पा रहा था। बहुत डॉक्टरों को दिखाने के बाद वह उस पॉव से चलने में सक्षम नही हुआ, यह देखकर मॉ पिता के के परिवार के सदस्य बहुत हताश हुए समय बितता गया, बच्चे के सिर के बाल भी उडने शुरू हो गए, दस साल की उम्र के समय बचचे के पिता की भी बिमारी के कारण मौत हो गई और मॉ छोडकर चली गई। साहिल की एक बहन और भाई विष्णु है। वो दोनों स्वस्थ हैं साहिल उनमें बडा है। बहन पॉचवी कक्षा में और सॉतवीं कक्षा में हैं। यह घटना होने के बाद इस बच्चे का पालन पोषण की जिम्मेदारी दादा दादी पर आ गई। दादा दादी की उम्र बडी होने के कारण वह ज्यादा कमा नही पा रहे। फिर भी उन्होने यह ठाना कि हम बच्चों के पालन पोषण में कोई भी कमी न आने व उनकी पढाई भी सुचारू रूप से करवाएगें। पापा की मौत

के समय साहिल चौथी कक्षाा में था स्कूल अधयापको ने भी साहिल की बहुत सहायता की और उत्साहित किया। 2013 में साहिल **Special Teachers** के संपर्क में आया तब साहिल का मेडीकल चैकअप करवाया गया तब पाया की साहिल का आईक्युलेवल 50–70 है। 75

प्रतिशत ओएच है। साहिल को चलने के लिए बैसाखी दी गई लेकिन वह उससे भी नही चल पाया फिर साहिल ने लाठी के सहारे चलना शुरू किया साहिल को आगे लाने में दादा दादी व चाचा का बहुत योगदान रहा जब भी उनको बुलाया जाता है वे तैयार रहतें हैं। परिवार के सहयोग व सामान्य अध्यापक और स्पेशल अध्यापक की सहायता से आज साहिल 9वीं कक्षा में

है और बहुत खुश है। हम इसके उज्जवल भविष्य की कामना करते है और हम अपना इसको 100 प्रतिशत योगदान देगें। पढने में सामान्य है, खेलने में भी रूचि रखता है। प्रतिदिन स्कूल आता है।